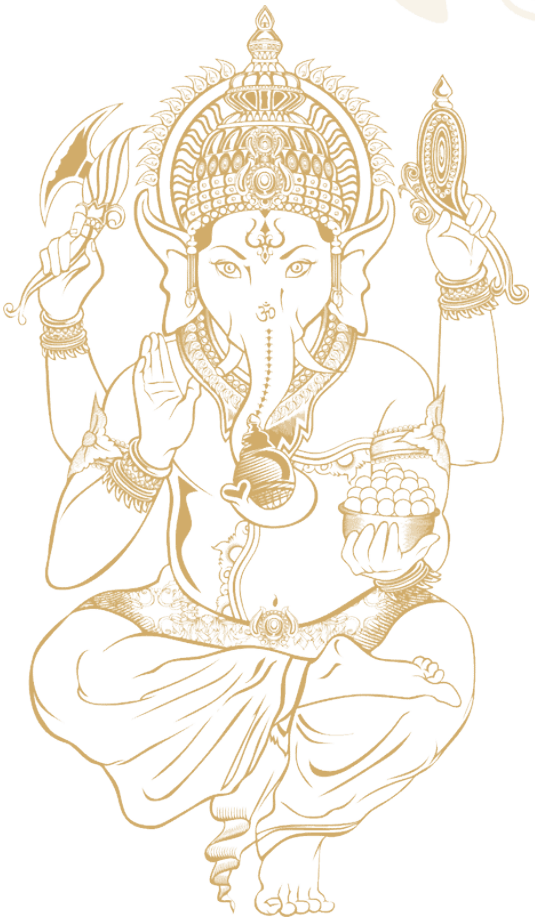

S

N

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121116404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/12/1996	जन्म तिथि	24/05/1998
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 02:20:00	जन्म समय	13:00:00 घंटे
घटी 48:03:25	जन्म समय(घटी)	18:54:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:06:37	सूर्योदय	05:26:19
17:26:35	सूर्यास्त	19:09:52
23:48:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:56

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 12वर्ष 11मा 6दि		27:41:46	कन्या	लग्न	सिंह	19:49:34	शुक्र 12वर्ष 7मा 29दि	
शनि		00:21:47	धनु	सूर्य	वृष	09:06:35	चन्द्र	
22/11/2025		10:25:09	कुंभ	चंद्र	मेष	18:13:24	21/01/2017	
22/11/2044		29:19:04	सिंह	मंगल	वृष	06:16:49	22/01/2027	
शनि	25/11/2028	20:44:37	धनु	बुध	मेष	20:51:43	चन्द्र	22/11/2017
बुध	05/08/2031	27:42:01	धनु	गुरु	कुंभ	29:45:15	मंगल	23/06/2018
केतु	13/09/2032	04:29:06	वृश्चि	शुक्र	मीन	29:35:33	राहु	23/12/2019
शुक्र	13/11/2035	06:55:58	मीन	शनि	मेष	04:29:08	गुरु	23/04/2021
सूर्य	25/10/2036	10:28:58	कन्या व	राहु व	सिंह	12:34:56	शनि	22/11/2022
चन्द्र	26/05/2038	10:28:58	मीन व	केतु व	कुंभ	12:34:56	बुध	23/04/2024
मंगल	05/07/2039	08:36:34	मक	हर्ष व	मक	18:53:33	केतु	22/11/2024
राहु	11/05/2042	02:26:46	मक	नेप व	मक	08:13:34	शुक्र	23/07/2026
गुरु	22/11/2044	09:59:37	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	12:58:09	सूर्य	22/01/2027

लग्न-चलित

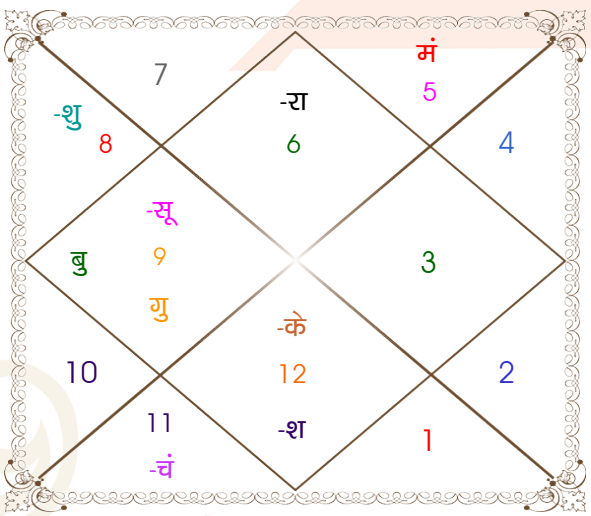

लग्न-चलित

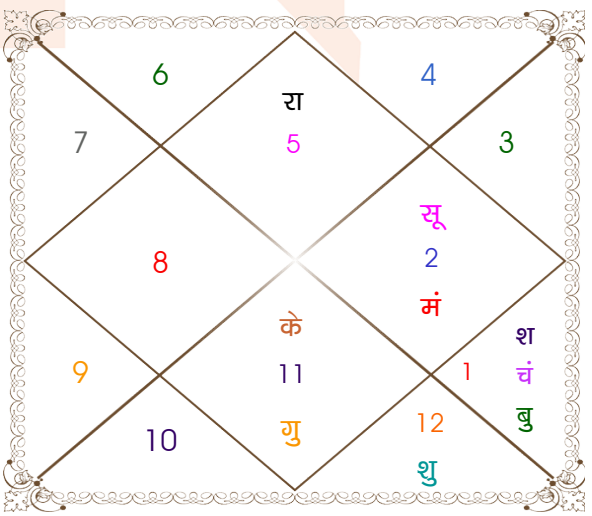

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक हS क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

S का वर्ग मेष हS तथा छ का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार S और छ का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

S मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

छ मंगलीक नही हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

S तथा छ में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।